

MARKING SCHEME (अंकन योजना)

Subject: Fine Arts

Code: 770

Class: 10+2 (2026-27)

Total Marks: 30

Time Allowed: 2.5 Hours

SECTION - A

Objective Type Questions

Q. No.	Correct Answer	Marks
1	(B) Rajasthani School / Style	1
2	(B) From 1600 AD	1
3	Jahangir	1
4	Deccan School / Style	1
5	Metcalfe	1
6	Kangra, Guler, or Basohli	1
7	(A) Both A and R are true, and A, R is the correct explanation.	1
8	(D) A is false but R is true.	1

SECTION - B

Very Short Answer Type Questions

Q. No.	Key Points / Model Answers	Marks
9	Two Themes of Kishangarh Style: • 1. Depiction of Women (Nari Chitran) :- Explanation (1 Mark) • 2. Courtly Paintings (Darbari Chitra) :- Explanation (1 Mark)	2 (1 + 1)

Q. No.	Key Points / Model Answers	Marks
	<i>Note: Alternatively, any other two relevant themes described point-wise should be awarded marks.</i>	
	----- OR Reasons for the decline of painting under Shah Jahan: Shah Jahan was a ruler who strictly adhered to court etiquettes, rules, and protocols. During his reign, painters did not have the freedom to practice independent and spontaneous painting. Artists were bound by court constraints; hence, art could not develop as dynamically during this era.	2
10	Architectural Decoration in Golconda Paintings: The architectural decoration in Golconda paintings is remarkably beautiful. This is evident from a painting depicting 'The Court of Muhammad Qutb Shah'. In this artwork, circular lines are drawn in blue against a light blue sky. White parapets (Munder) and lattice windows (Jali-dar Gavaksha) are crafted atop the buildings. Patterns of flower-sprays/vines (Boote) are beautifully detailed on doors.	2
	----- OR Paintings of Thanjavur (Tanjore) Style: • 1. Paintings of Gods and Goddesses :- Brief explanation (1 Mark) • 2. Courtly Paintings :- Brief explanation (1 Mark)	2 (1 + 1)
11	Origin of Pahari School: The Pahari School originated around 1760 AD from Guler. Initially, it developed as a traditional folk art style. Scholars suggest that when the Mughal emperor Aurangzeb exiled and banished all court artists, these painters took refuge under Pahari rulers and began painting freely. This marked the birth of the Pahari Style. The role of King Sansar Chand is notable in its growth.	2
	----- OR	2 (1 + 1)

Q. No.	Key Points / Model Answers	Marks
	Paintings under Pahari School: • 1. 'Krishna Waiting and Skeptical Radha' — Artist: Manaku (1 Mark) • 2. 'Nanda, Yashoda and Krishna' — Artist: Nainsukh (1 Mark)	
12	Two Shortcomings of Bengal School: • 1. Lifeless, unrefined imitation of Ajanta, Mughal, and Rajasthani schools. (1 Mark) • 2. Excessive use of hazy, dull, and washed-out colors. (1 Mark) <i>Note: Alternatively, any other point-wise descriptions of major drawbacks should be credited.</i>	2 (1 + 1)
	OR Why Patna Style is called Company School: Patna Style is termed the Company School because its origin, style, and evolution occurred under the direct patronage and preferences of East India Company officials. Secondly, the primary clientele and buyers of these artists were British employees and administrative officials of the Company.	2

SECTION - C

Short Answer Type Questions

Q. No.	Key Points / Model Answers	Marks
13	Manuscript Paintings and Profile Faces in Deccani School: • 1. Manuscript Painting (Pothi Chitra) — Brief description (1.5 Marks) • 2. Profile Faces (Chashm Chehra) — Brief description (1.5 Marks)	3 (1.5 + 1.5)
	----- OR Chand Bibi Playing Polo: • School / Style: Golconda (Deccan) (0.5 Mark) • Medium: Tempera, Water Color (0.5 Mark) • Artwork Description: Detailed description of the overall composition (2 Marks)	3
14	Haldi Grinders Painting Description: • Artist: Amrita Sher-Gil (0.5 Mark) • Style / School: Bengal School (0.5 Mark) • Medium: Oil Colors (0.5 Mark) • Composition Details: Description of the landscape scene, figures, colors, etc. (1.5 Marks)	3
	----- OR Triumph of Labour Sculpture: • Sculptor: D. P. Roy Choudhury (0.5 Mark) • Medium: Cement and Bronze (0.5 Mark) • Year: 1954 (0.5 Mark) • Full Description: Artistic analysis of the posture, figures, and meaning (1.5 Marks)	3
15	Phad Folk Art: • 1. Major centers and background introduction (1 Mark)	3 (1 + 1 + 1)

Q. No.	Key Points / Model Answers	Marks
	• 2. Themes and Subject Matter (1 Mark) • 3. Artistic Features / Characteristics (1 Mark)	
	----- OR Characteristics of Gond Art: • 1. Depiction of Nature :- Explanation (1 Mark) • 2. Geometric Linework and Patterns :- Explanation (1 Mark) • 3. Vibrant Color choices :- Explanation (1 Mark)	3 (1 + 1 + 1)

SECTION - D

Long Answer Type Questions

Q. No.	Key Points / Model Answers	Marks
16	Significance of Rajasthani School in Indian Painting: • 1. Introduction and names of sub-schools (Mewar, Kishangarh, Bundi, etc.) (1 Mark) • 2. Impact and influence of Rajasthani School on other Indian contemporary schools (1 Mark) • 3. Religious, devotional, and spiritual impacts (Bhakti/Radha-Krishna themes) (1 Mark) • 4. Broad subject matter and canonical themes (1 Mark) • 5. Distinctive stylistic and aesthetic features (1 Mark)	5 (5 × 1)
	----- OR Why the Reign of Jahangir is the Golden Age of Mughal Art: • 1. Brief contextual introduction to Mughal Miniature Art (1 Mark) • 2. Jahangir's personal aesthetic taste, deep love for nature, and personality (2 Marks) • 3. Prestige, high respect, financial incentives, and encouragement given to royal court painters (1 Mark) • 4. Egalitarian, secular, and unbiased treatment towards Hindu, Muslim, and female painters (1 Mark)	5

अंकन योजना (MARKING SCHEME)

विषय (Subject): Fine Arts (ललित कला)	कोड (Code): 770
कक्षा (Class): 10+2 (2026-27)	कुल अंक (Total Marks): 30
समय (Time): 2.5 घंटे (2.5 Hours)	

SECTION - A

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective Type Questions)

प्र० सं०	सही उत्तर (Correct Answer)	अंक (Marks)
1	(B) राजस्थानी शैली	1
2	(B) 1600 ई० से	1
3	जहाँगीर	1
4	दक्षिण शैली	1
5	मैटकॉफ (Metcalf)	1
6	कांगड़ा, गुलेर या बसोहली	1
7	(A) A और R दोनों सत्य हैं, और A, R की सही व्याख्या है।	1
8	(D) A असत्य है किन्तु R सत्य है।	1

SECTION - B

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (Very Short Answer Type Questions)

प्र० सं०	उत्तर संकेत / मुख्य बिन्दु (Key Points / Model Answer)	अंक (Marks)
9	किशनगढ़ शैली की दो विषय वस्तु:- • 1. नारी चित्रण :- व्याख्या (1 अंक)	2 (1 + 1)

प्र० सं०	उत्तर संकेत / मुख्य बिन्दु (Key Points / Model Answer)	अंक (Marks)
	2. दरबारी चित्र :- व्याख्या (1 अंक) नोट: इनके अतिरिक्त किन्हीं भी दो विषय वस्तुओं का बिन्दुवार वर्णन किया गया हो।	
	अथवा (OR) शाहजहाँ के शासन में चित्रकला की अवनति के कारण:- शाहजहाँ दरबारी अदब व कायदे को मानने वाला शासक था। उसके काल में चित्रकार स्वतन्त्र चित्रण नहीं कर सकते थे। चित्रकार दरबारी कायदों से बंधे हुए थे, इसलिए इस काल में कला अधिक विकसित नहीं हो पाई।	2
10	गोलकुण्डा के चित्रों में भवन सज्जा:- गोलकुण्डा के चित्रों में भवन सज्जा अति सुन्दर की गई है। 'मुहम्मद कुतुबशाह के दरबार' के एक चित्र से यह पता चलता है। इस चित्र में हल्के नीले आकाश में नीले रंग से गोल रेखाएं बनाई गई हैं। भवनों के ऊपर श्वेत मुंडेर व जालीदार गवाक्ष बनाए गए हैं। दरवाजों में बूटे बनाए गए हैं।	2 (1 + 1)
	अथवा (OR) तन्जौर शैली के चित्र:- 1. देवी-देवताओं के चित्र :- संक्षिप्त व्याख्या (1 अंक) 2. दरबारी चित्र :- संक्षिप्त व्याख्या (1 अंक)	2 (1 + 1)
11	पहाड़ी शैली की उत्पत्ति:- पहाड़ी शैली का जन्म लगभग 1760 ई० में गुलेर से हुआ। आरम्भ में यह एक लोककला के रूप में जानी गई। विद्वानों का अनुमान है कि मुगल शासक औरंगज़ेब ने सभी चित्रकारों को निष्कासित कर दिया था, ये कलाकार पहाड़ी राजाओं की शरण में आए और स्वतन्त्र चित्रण किया। यहीं से पहाड़ी शैली का जन्म हुआ। इसके विकास में राजा संसार चंद का नाम उल्लेखनीय है।	2
	अथवा (OR) पहाड़ी शैली के अन्तर्गत बने चित्र:- 1. प्रतीक्षारत कृष्ण व संशयशील राधा — कलाकार: मनकू (1 अंक) 2. नंद यशोदा और कृष्ण — कलाकार: नैनसुख (1 अंक)	2 (1 + 1)

प्र० सं०	उत्तर संकेत / मुख्य बिन्दु (Key Points / Model Answer)	अंक (Marks)
	बंगाल शैली की दो कमियाँ:- • 1. अजन्ता, मुगल व राजस्थानी शैली की भद्दी नकल। (1 अंक) • 2. धूमिल रंगों का प्रयोग। (1 अंक) नोट: इसके अतिरिक्त अन्य किन्हीं कमियों का बिन्दुवार वर्णन किया गया हो।	2 (1 + 1)
	----- अथवा (OR) पटना शैली को कम्पनी शैली क्यों कहा गया:- पटना शैली को कंपनी शैली इसलिए कहा गया क्योंकि इसका जन्म और विकास ईस्ट इंडिया कम्पनी के अधिकारियों की रुचि और संरक्षण में हुआ। दूसरा कारण यह भी था कि इन चित्रकारों के मुख्य ग्राहक भी ईस्ट इंडिया कम्पनी के कर्मचारी व अधिकारी थे।	2 (1 + 1)

SECTION - C

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions)

प्र० सं०	उत्तर संकेत / मुख्य बिन्दु (Key Points / Model Answer)	अंक (Marks)
13	दक्षिण शैली में पोथी चित्र व चश्म चेहरे:- 1. पोथी चित्र — संक्षिप्त वर्णन (1.5 अंक) 2. चश्म चेहरे — संक्षिप्त वर्णन (1.5 अंक)	3 (1.5 + 1.5)
	----- अथवा (OR) चाँद बीबी पोलो खेलते हुए:- • शैली: गोलकुण्डा (दक्षिण) (0.5 अंक) • माध्यम: टेम्परा, जलरंग (0.5 अंक) • चित्र वर्णन: सम्पूर्ण चित्र वर्णन (2 अंक)	3
14	हल्दी ग्राइंडर चित्र वर्णन:- • चित्रकार: अमृता शेरगिल (0.5 अंक) • शैली: बंगाल (0.5 अंक) • माध्यम: तैलीय रंग (Oil Colour) (0.5 अंक) • सम्पूर्ण चित्र वर्णन: दृश्य, रंग इत्यादि (1.5 अंक)	3
	----- अथवा (OR) श्रम की विजय (Triumph of Labour) मूर्ति:- • कलाकार: डी० पी० राय चौधरी (0.5 अंक) • माध्यम: सीमेंट व ब्रॉन्ज (Bronze) (0.5 अंक) • समय: 1954 (0.5 अंक) • मूर्ति का पूर्ण विवरण: (1.5 अंक)	3
15	फड़ लोककला:- 1. केन्द्र व परिचय (1 अंक) 2. विषयवस्तु (1 अंक) 3. विशेषताएँ (1 अंक)	3 (1 + 1 + 1)

प्र० सं०	उत्तर संकेत / मुख्य बिन्दु (Key Points / Model Answer)	अंक (Marks)
	अथवा (OR) गोंड कला की विशेषताएँ:- 1. प्रकृति चित्रण :- व्याख्या (1 अंक) 2. ज्यामितीय रेखांकन :- व्याख्या (1 अंक) 3. रंगीन चित्र :- व्याख्या (1 अंक)	3 (1 + 1 + 1)

SECTION - D

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)

प्र० सं०	उत्तर संकेत / मुख्य बिन्दु (Key Points / Model Answer)	अंक (Marks)
16	भारतीय चित्रकला में राजस्थानी शैली का महत्त्व:- 1. परिचय व उपशैलियों के नाम (1 अंक) 2. राजस्थानी शैली का अन्य शैलियों पर प्रभाव (1 अंक) 3. राजस्थानी शैली का धार्मिक प्रभाव (1 अंक) 4. राजस्थानी शैली की विषय वस्तु (1 अंक) 5. विशेषताएँ (1 अंक)	5 (5 × 1)
	अथवा (OR) मुगल चित्रकला में जहाँगीर का काल (स्वर्ण युग):- 1. मुगल चित्रकला का परिचय (1 अंक) 2. जहाँगीर का कला के प्रति प्रेम व व्यक्तित्व (2 अंक) 3. चित्रकारों का सम्मान व प्रोत्साहन (1 अंक) 4. हिन्दू, मुस्लिम व महिला चित्रकारों के प्रति भेदभाव रहित व्यवहार (1 अंक)	5